संसद सदस्यों ने श्री पी.ए. संगमा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

...

नई दिल्ली; 01 सितंबर, 2023: राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष, श्री पी.ए. संगमा की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्य सभा के महासचिव, श्री पी सी मोदी; लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह; तथा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों के अधिकारियों ने भी श्री संगमा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संसद पुस्तकालय में श्री पी.ए. संगमा द्वारा लिखी गई और उनके जीवन और कार्यों के बारे में उपलब्ध पुस्तकों की एक प्रदर्शनी संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लगाई गई । श्री पी. ए. संगमा के जीवन परिचय के बारे में लोक सभा सचिवालय द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित पुस्तिका की प्रतियाँ गणमान्य व्यक्तियों को दी गईं।

1 सितंबर 1947 को मेघालय के पश्चिमी गारो हिल्स जिले के चपाहाटी गांव में जन्मे श्री संगमा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। राजनीति में प्रवेश करने से पहले वह एक व्याख्याता, वकील और पत्रकार भी रहे।

23 मई 1996 को, सभी राजनीतिक दलों के समर्थन से उन्हें सर्वसम्मति से ग्यारहवीं लोक सभा के अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया गया।

अध्यक्ष के रूप में, श्री संगमा ने सुनिश्चित किया कि गर्मागर्म बहस के बीच भी सदस्यों द्वारा नियमों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र का अर्थ स्वतंत्र रूप से वाद-विवाद, निष्पक्ष विचार-विमर्श और स्वस्थ आलोचना है और यह सुनिश्चित करना अध्यक्ष का दायित्व है कि इन उद्देश्यों को प्राप्त किया जाए। लोक सभा में सदस्य के रूप में नौ कार्यकाल के अलावा, श्री संगमा ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में गृह, वाणिज्य, उद्योग, श्रम, सूचना और प्रसारण और कोयला जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार भी संभाला। 4 मार्च 2016 को श्री संगमा का निधन हो गया।